"नागार्जुन के काव्य मे मानवतावादी चेतना का अध्ययन"

2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. कामिनी

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय

स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

शांति

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

AA/19/21

21040619

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **शांति** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर **महाविद्यालय** अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने "**नागार्जुन के काव्य मे मानवतावादी चेतना का अध्ययन**" शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक
डॉ. कामिनी
सहायक प्राध्यापक हिन्दी
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर **महाविद्यालय**
अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

नागार्जुन के काव्य मे मानवतावादी चेतना का अध्ययन भूमिका

अध्याय एक नागार्जुन व साहित्यिक परिचय

(1) प्रारंभिक जीवन व शिक्षा
(2) व्यवसाय
(3) साहित्यिक परिचय
(क) काव्य
(ख) गद्य

अध्याय दो मानवतावादी चेतना का स्वरूप व इतिहास

(1) मानवतावादी चेतना का अर्थ
(2) हिंदी साहित्य में मानवतावादी चेतना
(क) भारतेन्दु युग
(ख) द्विवदी युग
(ग) छायावद
(घ) प्रगतिवाद

अध्याय तीन नागार्जुन के काव्य में निहित मानवतावादी चेतना

(1) कृषक जीवन का काव्य
(2) प्रकृति काव्य
(3) शोषितों का प्रसधर काव्य

अध्याय चार नागार्जुन के काव्य में निहित मानवतावादी के मूल्यांकन का आधार

(1) सामाजिक आधार
(2) सांस्कृतिक आधार
(3) धार्मिक आधार
(4) आर्थिक आधार

अध्याय पांच उपसंहार,

संदर्भ ग्रंथ सूची

"गोदान उपन्यास में कृषक जीवन की अभिव्यक्ति का विश्लेषण "

2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध - प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. कामिनी

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

प्रस्तुतकर्ता

रविन्द्र सिदार

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक – 210406

नामांकन क्रमांक –AA/19/

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

"गोदान उपन्यास मे कृषक जीवन की अभिव्यक्ति का विश्लेषण "

2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध - प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. कामिनी

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

रविन्द्र सिदार

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक – 210406/6

नामांकन क्रमांक –AA/19/18

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

घोषणा-पत्र

मैं **रविन्द्र सिदार** एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर **महाविद्यालय** अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). घोषणा करता हूँ कि मैंने "**गोदान उपन्यास मे कृषक जीवन की अभिव्यक्ति का विश्लेषण** " शीर्षक पर डॉ. कामिनी सहायक प्राध्यापक-हिन्दी, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर **महाविद्यालय** अम्बिकापुर के कुशल निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा- **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है। यह मेरा मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध छात्र

रविन्द्र सिदार

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर **महाविद्यालय**

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **रविन्द्र सिदार** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने मैंने "**गोदान उपन्यास मे कृषक जीवन की अभिव्यक्ति का विश्लेषण** " शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक

डॉ. कामिनी

सहायक प्राध्यापक हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

अध्यायीकरण

भूमिका

अध्याय एक : मुंशी प्रेमचन्द का जीवन परिचय

1 जन्म माता पिता एवं परिवार

2 शिक्षा

3 मुंशी प्रेमचन्द का गोदान उपन्यास

4 साहित्य के स्थान

अध्याय दो : **गोदान उपन्यास के विविध स्वरुप**

1 किसान जीवन रूप

2 किसान बालक

3 किसान युवा

4 खेती किसानी प्रेमी

5 किसान फसल उगाने का ख़ुशी

अध्याय तीन : **गोदान उपन्यास के मुंशी प्रेमचन्द विविध स्वरुप**

1 खेतो की मिटटी से खेलते हुए किसान

2 खेतो की मिटटी को कठोर उपजाऊ बनाना

3 खेतो के फसल लहलहाने से अत्यन्त लाभ

अध्याय चार : **गोदान उपन्यास में कृशक जीवन की** विशेषताएं

1 बाल किसान के मनोविज्ञान पर लेखक की पकड

2 बाल स्वरूप किसान का अभिव्यक्ति

अध्याय पांच : **गोदान उपन्यास में किसान जीवन के परिप्रेक्ष्य**

1 गोदान उपन्यास की कथा योजना

2 गोदान में भारतीय किसानो की वेदना की अभिव्यक्ति

3 गोदान के पाठक

4 गोदान में गाय का महत्व
5 किसानो का आर्थिक भाोशण
6 होरी का स्थितियों से समझौता

अध्याय छः : निष्कर्ष

संदर्भ ग्रंथ सूची

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का साहित्यिक अवदान समीक्षात्मक विवेचन

सत्र :2020–21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोर महाविद्यालय अम्बिकापुर,जिला – सरगुजा (छ0ग0)

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न – पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत

प्रस्तुत

लघु शोध – प्रबंध

शोध निर्देशक
डॉ0 दीपक सिंह
सहायक प्राध्यपक – हिन्दी

प्रस्तुतकर्ता
अंजू
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
अनुक्रमांक 3104602
नामांकन क्रमांक **AA/19/02**

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोर महाविद्यालय अम्बिकापुर,जिला – सरगुजा (छ0ग0)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र/ छात्रा. अंजू एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.), ने आचार्य रामचंद्र शुक्ल का साहित्यिक अवदान समीक्षात्मक विवेचन शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है। यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा– 2020–21 के चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है। यह छात्र/छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान– अम्बिकापुर
दिनांक–.....

शोध निर्देशक

(डॉ. दीपक सिंह .....)
सहायक प्राध्यापक–हिन्दी
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.)

अध्यायीकरण

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का साहित्यिक अवदान समीक्षात्मक विवेचन

समीक्षात्मक विवेचन

प्रथम अध्याय

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का परिचय

(क) जीवन परिचय

(ख) साहित्यिक परिचय

द्वितीय अध्याय

2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का निबंध

(क) चितांमणी भाग –1 के निबंध

(ख) चितांमणी भाग –2 के निबंध

(ग) चितांमणी भाग –3 के निबंध

तृतीय अध्याय

3. इतिहास लेखन की पंरपरा और रामचन्द्र शुक्ल

(क) हिन्दी इतिहास लेखन की पंरपरा सक्षिप्त परिचय

(ख)रामचन्द्र शुक्ल के इतिहास लेखन की विशेषताएं

अध्याय चतुर्थ

4. रामचन्द्र शुक्ल का आलोचनात्मक साहित्य

(क) सामान्य परिचय

(ख)हिन्दी आलोचना के विकास में शुक्ल जी का योगदान

अध्याय पंचम

1.उपसंहार

प्रेमचंद की प्रमुख सामाजिक कहानियों का विवेचन

सत्र –(2020-21)

राजीव गाँधी शासकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर सुरगुजा छ.ग. की कक्षा एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर (हिंदी) की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र हिंदी के अनिवार्य प्रश्न पत्र के रूप में प्रस्तुत |

(लघुशोध प्रबंध)

विभागाध्यक्ष
(डॉ. आभा जयसवाल)

शोध निर्देशक
(डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री)
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

प्रस्तुतकर्ता
पिंकी तिग्गा
अनु.- 21040609
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
हिंदी विभाग

स्नात्तकोत्तर अध्ययन केंद्र एवं शोध केंद्र
हिंदी विभाग राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग) 497001
सम्बन्ध विश्वविद्यालय सरगुजा विश्वविद्यालय सरगुजा
अम्बिकापुर

प्रेमचंद की प्रमुख सामाजिक कहानियों का विवेचन

सत्र –(2020-21)

राजीव गाँधी शासकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर सुरगुजा छ.ग. की कक्षा एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर (हिंदी) की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र हिंदी के अनिवार्य प्रश्न पत्र के रूप में प्रस्तुत |

(लघुशोध प्रबंध)

विभागाध्यक्ष
(डॉ. आभा जयसवाल)
विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोध निर्देशक
(डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री)
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

प्रस्तुतकर्ता
पिंकी तिग्गा
अनु.- 21040609
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
हिंदी विभाग

स्नात्तकोत्तर अध्ययन केंद्र एवं शोध केंद्र
हिंदी विभाग राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग) 497001
सम्बन्ध विश्वविद्यालय सरगुजा विश्वविद्यालय सरगुजा
अम्बिकापुर

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि " प्रेमचन्द की कहानियों में भारतीय समाज का विश्लेषण विषय पर लिखित लघुशोध प्रबन्ध पिंकी तिग्गा, एम.ए. हिनदी चतुर्थ सेमेस्टर, राजीव गाँधी शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.) द्वारा सत्र 2021 के चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अनिवार्य विषय के रूप में प्रस्तुत किया है।

यह छात्रा का नितान्त मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य मेरे निर्देशन में सम्पन्न हुआ है।

निर्देशक

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्रध्यापक हिन्दी विभाग

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

प्रेमचन्द की कहानियों में भारतीय समाज का विश्लेषण

रूपरेखा–

प्रथम अध्याय – प्रेमचन्द का जीवन वृत

(अ) प्रेमचन्द का व्यक्तित्व

1.1 जन्म

1.2 माता–पिता एवं बचपन

1.3 शिक्षा एवं अध्ययन

1.4 व्यवसाय

1.5 विवाह

1.6 जीवन संघर्ष

(क) परिवारिक स्तर पर

(ख) आर्थिक स्तर पर

(ग) साहित्यिक स्तर पर

1.7 पुरस्कार एवं सम्मान

1.8 मृत्यु

(घ) प्रेमचन्द का साहित्यिक परिचय

1.9 कहानी

1.10 उपन्यास

1.11 नाटक

1.12 निबन्ध

1.13 जीवनी

1.14 बाल साहित्य

1.15 अनुवाद

द्वितीय अध्याय – युगीन परिस्थितियाँ

2.1 राजनीतिक परिस्थितियाँ

2.2 धार्मिक परिस्थितियाँ

2.3 सामाजिक परिस्थितियाँ

2.4 सांस्कृतिक परिस्थितियाँ

तृतीय अध्याय – हिन्द कहानी का उद्‌भव विकास

3.1 भूमिका

3.2 कहानी की ब्युत्पति, अर्थ एवं परिभाषा

3.3 कहानी का स्वरूप एवं महत्व

3.4 कहानी के तत्व

3.5 हिन्दी कहानी का विकास

चतुर्थ अध्याय – प्रेमचन्द की कहानीयों में चित्रित भारतीय समाज

4.1 नमक का दरोगा

4.2 बड़े घर की बेटी

4.3 बूढ़ी काकी

4.4 कफन

4.5 शतरंज के खिलाड़ी

4.6 सवा शेर गेहुँ इत्यादि।

पंचम अध्याय – उपसंहार

सन्दर्भ सूची –

"सुमित्रानंदन पंत के काव्य में प्रकृति का अनुशीलन"

सत्र 2020–2021

जीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अंतर्गत प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

शोध निर्देशक

विजयलक्ष्मी शास्त्री

ायक प्राध्यापक (हिंदी)

प्रस्तुतकर्ता

महेश कुमार सिंह

एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर

रोल नं. 21040607

नामांकन क्र. **AA/19/08**

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है छात्र महेश कुमार सिंह एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) ने "सुमित्रानंदन पन्त के काव्य में प्रकृति का अनुशीलन" शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है यह लघुशोध प्रबंध एम. ए.हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर की परिक्षा 2020 –21 के चतुर्थ प्रश्न – पत्र के अंतर्गत प्रस्तुत है । यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

शोध निर्देशक

स्थान – अम्बिकापुर

दिनांक –

डॉ . विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक हिंदी

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर जिला – सरगुजा (छ.ग.)

अनुक्रमाणिका

सुमित्रानंदन पन्त के काव्य में प्रकृति का अनुशीलन

भूमिका

अध्याय –एक

सुमित्रानंदन पन्त का जीवनवृंत

जीवन परिचय –

1) जन्म परिवार ,शिक्षा

2) कलाकांकर में निवास

3)व्यक्तित्व

4)व्यक्तित्व पर अरविन्द दर्शन का प्रभाव

5)पुरस्कार

अध्याय – दो

पन्त काव्य की पृष्ठभूमि

अ) राजनीतिक परिस्थिति

(ब)धार्मिक परिस्थिति

(स)सांस्कृतिक परिस्थिति

(द)आर्थिक परिस्थिति

अध्याय – तीन

पन्तकाव्य का परिचयात्मक विश्लेषण

(अ) सौन्दर्य चेतना– वीणा ,ग्रंथि ,पल्लव ,गुंजन, ज्योत्सना (नाटिका)

(ब)सामाजिक चेतना – युगान्त ,युगान्त ,ग्राम्य ,

(स) आध्यात्मिक चेतना – स्वर्ण धूलि ,स्वर्ण किरण , उतरा ,रजतशिखर , शिल्पी , सौवर्ण काव्य रूपक अतिमा वाणी, कला और बुढा चाँद , लोकायतन , शशि की तरी , शंक ध्वनि , समधिता ,आस्था , निष्कर्ष

अध्याय –चार

पन्त के काव्य में प्रकृति

(अ) प्राचीन हिंदी काव्य के प्रकृति चित्रण

(ब) छायावादी काव्य में प्रकृति

(स) पन्त के काव्य में प्रकृति

(1) आलंबन रूप में

(2) प्रकृति का मानवीयकरण

(3) उपदेशक रूप में

(4) आलंकारिक रूप में

(5) प्रतीक विधान रूप में

(6) रहस्यात्मक रूप में

(7) पृष्ठभूमि एवं वातावरण निर्माण के रूप में

(8) दूती रूप में

(9) उद्दीययन रूप में

(10) दार्शनिक उभ्दावना

(11) नारी रूप में

निष्कर्ष

अध्याय – पांच

उपसंहार

सन्दर्भ सूची

"तुलसीदास की सामाजिक चेतना : एक अध्ययन"

2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय

स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

अमर साय

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक - 21040601

नामांकनक्रमांक - AA/13/01

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **अमर साय** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने "**तुलसीदास की सामाजिक चेतना : एक अध्ययन**" शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

भूमिका

अध्याय 1 तुलसी दास का जीवन परिचय

1 जन्म माता पिता एवं परिवार

2 बाल्यकाल शिक्षा एवं परिवार

3 जीवन क्षेत्र एवं व्यवसाय

4 व्यक्तित्व

अध्याय 2 कृतियों का परिचयात्मक विश्लेषण

1 रामचरितमानस (1574)

2 विनय पत्रिका (1582)

3 दोहावली (1583)

4 कवितावली (1612)

5 हनुमान चालीसा

6 वैराग्य संदीपनी (1612)

अध्याय 3 युगीन परिस्थितियां

1 सामाजिक

2 राजनीतिक

3 सांस्कृतिक

4 धार्मिक

अध्याय 4 तुलसीदास जी सामाजिक चेतना

1 काव्य चेतना

2 वर्ग दृष्टि

3 प्रगतिशील चेतना

4 समन्वय वाद

अध्याय 5 उपसंहार

संदर्भ ग्रंथ

"माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में राष्ट्रीय चेतना का अनुशीलन"

2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. कामिनी

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय

स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

प्रदीप कुमार

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र.. **प्रदीप कुमार** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने **"माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में राष्ट्रीय चेतना का अनुशीलन"** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक

डॉ. कामिनी

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

अध्यायीकरण

अध्याय – 1 राष्ट्रीय चेतना, **अवधारणा** स्वरूप और विकास

अध्याय – 2 कवि के काव्य की **पृष्ठभूमि**

अध्याय – 3 माखनलाल चतुर्वेदी का जीवन परिचय

(क) व्यक्ति परिचय

(ख) कृतित्व परिचय

अध्याय – 4 कविता में राष्ट्रीय चेतना का परंपरागत चित्रण

अध्याय – 5 कविता में राष्ट्रीय चेतना का ऐतिहासिक चित्रण

अध्याय – 6 उपसंहार

7 **परिशिष्ट**

"सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत महाकवि कबीर एक अध्ययन"

2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. कामिनी

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय

स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

सौरभ

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक - 21040621

नामांकन क्रमांक - AA/19/23

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **सौरभ** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने मैंने "**सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत महाकवि कबीर एक अध्ययन**" शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक
डॉ. कामिनी
सहायक प्राध्यापक हिन्दी
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

अध्याय एक - संत कबीरदास जी का जीवन परिचय -

1.1 जन्म माता पिता परिवार एवं बाल्यकाल ।
1.2 शिक्षा एवं व्यवसाय ।
1.3 व्यक्तित्व एवं कृतित्व ।

अध्याय दो - कबीर काव्य सृजन की युगीन परिस्थितियां -

2.1 सामाजिक परिस्तिथितियाँ और प्रभाव ।
2.2 राजनैतिक परिस्तिथितियाँ और प्रभाव ।
2.3 संस्कृतिक परिस्तिथितियाँ और प्रभाव ।
2.4 धार्मिक परिस्तिथितियाँ और प्रभाव ।

अध्याय तीन - कबीर काव्य का स्वरूप -

3.1 अध्यात्मिक काव्य ।
3.2 सामाजिक चेतना का काव्य ।

अध्याय चार - सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत कबीर -

4.1 धार्मिक व्यवस्था पर कबीर के विचार ।
4.2 सामाजिक व्यवस्था पर कबीर के विचार ।
4.3 नई संस्कृति के सर्जक कबीर ।

अध्याय पांच - उपसंहार

संदर्भ ग्रंथ सूची

मोहन राकेश के नाटक 'आधे–अधूरे' का कथ्यशिल्पः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

सत्रः 2020–21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ0ग0)

एम.ए हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अंतर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध–प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. विजय लक्ष्मी शास्त्री
सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्त्ता

कुसुमलता
एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
नामांकन नम्बर - AA/19/07
रोल नम्बर - 21040606

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र/छात्रा कुसुमलता एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर,राजीव गांधी शासकीय स्नानकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला–सरगुजा (छ0ग0) ने 'मोहन राकेश के नाटक आधे–अधूरे का कथ्यशिल्पः एक विश्लेष्णात्मक अध्ययन' पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य संपन्न किया है। यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा–2020–2021 के चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अंतर्गत प्रस्तुत है। यह छात्र/छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान–अम्बिकापुर

दिनांक–

शोध निर्देशक

डॉ. विजय लक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय

स्नानकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला–सरगुजा (छ0ग0)

अध्यायीकरण

प्रथम अध्याय– हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास

1.1 हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास

1.2 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटकों की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

द्वितीय अध्याय–मोहन राकेश का जीवन वृन्त

2.1 जीवन परिचय

2.2 शिक्षा दीक्षा

2.3 व्यक्तित्व पुरस्कार

2.4 साहित्यिक परिचय–रचनाएँ

(1) कहानी साहित्य

(2) उपन्यास साहित्य

(3) निबंध साहित्य

(4) नाटक साहित्य

(5) डायरी साहित्य

(6) अनुवाद साहित्य

(7) जीवनी साहित्य

(8) पत्र लेखन

(9) रिपोर्ताज

(10) शोध प्रबंध (अपूर्ण)

तृतीय अध्याय–आधे–अधूरे नाटक की मूल संरचना

3.1 संवेदना स्वरूप,परिभाषा और अवधारणा

3.2 संवेदना के विभिन्न रूप और आधे–अधूरे

(1) व्यक्ति एवं समाज संबंधी संवेदना

(2) नई और पुरानी पीढ़ी विचार वैभिन्नता

(3) पारिवारिक संबंधों में विघतन

(4) स्त्री पुरूष संबंध

(5) स्त्री की त्रासदी

चतुर्थ अध्याय–शिल्पगत वैशिष्ट्य और आधे–अधूरे

4.1 शिल्पगत वैशिष्ट्य और आधे–अधूरे

(1) भाषा शैली

(2) पात्र योजना

(3) कथा वस्तु

(4) नाट्य संवाद

पंचम अध्याय–रंगमंचीयता की दृष्टि से आधे–अधूरे

5.1 रंगमंचीयता की दृष्टि से आधे–अधूरे

(1) मंचसज्जा एवं दृश्यबंध

(2) प्रकाश योजना

(3) ध्वनि एवं संगीत

(4) वेशभूषा एवं रूप सज्जा

उपसंहार

संदर्भ ग्रंथ सूची

"त्रिलोचन के काव्य की प्रगतिवादी चेतना का अध्ययन"

2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,जिला- सरगुजा (छ.ग.)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध - प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

Pankaj

प्रस्तुतकर्ता

पंकज लकड़ा

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक – 21040608

नामांकन क्रमांक- AA/19/11

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **पंकज लकड़ा** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने **"त्रिलोचन के काव्य की प्रगतिवादी चेतना का अध्ययन"** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

शीर्षक : त्रिलोचन के काव्य की प्रगतिवादी चेतना का अध्यन

अध्याय: एक

त्रिलोचन का परिचय

(i) त्रिलोचन का व्यक्तित्व

(ii) त्रिलोचन का कृतित्व

अध्याय: दो

(i) प्रगतिवादी चेतना एक परिचय

(ii) प्रगतिवादी चेतना का अर्थ

(iii) हिंदी साहित्य में प्रगतिवादी चेतना का स्वरूप

(iv) त्रिलोचन गुरु काव्य में प्रगतिवादी चेतना

अध्याय : तीन

युगीन परिस्थितियां और त्रिलोचन का काव्य

(i) साहित्यिक परिस्थितियां

(ii) राजनीतिक परिस्थितियां

(iii) धार्मिक परिस्थितियां

(iv) सांस्कृतिक परिस्थितियां

(v) सामाजिक परिस्थितियां

अध्याय 4

त्रिलोचन के काव्य में निहित प्रगतिवादी चेतना का मूल्यांकन

(i) काव्य संवेदना

(ii) प्रकृति काव्य

(iii) शोषितॉं का पक्षधर काव्य

अध्याय 5

उपसंहार

संदर्भ ग्रंथावली

:::::

"महादेवी वर्मा और अतीत के चलचित्र एक विवेचन "

2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध - प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

सौरभ एक्का

अनुक्रमांक – 21040618

नामांकन क्रमांक –AA/19/20

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **सौरभ** एक्का एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने मैंने **"महादेवी वर्मा और अतीत के चलचित्र एक विवेचन "** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

ध्याय 1 महादेवी वर्मा का परिचय

1.1 जीवन परिचय

1.2 जन्म और परिवार

1.3 शिक्षा

1.4 वैवाहिक जीवन

1.5 कार्य क्षेत्र

याय 2 हिंदी साहित्य में रेखाचित्र

2.1 रेखाचित्र का इतिहास

2.2 महत्वपूर्ण रेखाचित्र - लेखक व उनकी रचनाएं

याय 3 महादेवी वर्मा का गद्य और रेखाचित्र

3.1 निबंध

3.2 संस्करण

3.3 रेखा चित्र

याय 4 अतीत के चलचित्र का विश्लेषण

4.1 नारी शोषण

4.2 पुनर्विवाह

4.3 विधवा विवाह

4.4 सामाजिक रूढ़ि

अध्याय 5

5.1 उपसंहार

5.2 संदर्भ ग्रंथ सूची

"सूरदास के काव्य मे श्री कृष्ण के बाल स्वरुप का विवेचन"

2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

प्रमोद सिंह

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक – 21040612

नामांकन क्रमांक- AA/19/15

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय **अम्बिकापुर,**

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **प्रमोद सिंह** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने मैंने **"सूरदास के काव्य मे श्री कृष्ण के बाल स्वरुप का विवेचन"** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

अध्यायीकरण

अध्याय 1 जीवन परिचय

1. सूरदास का विवाह
2. सूरदास के गुरु
3. श्रीकृष्ण गीतावली
4. सूरदास की रचनाएं
5. रसारावली, सूरसागर, साहित्य लहरी
6. सूरदास की मृत्यु

अध्याय 2 सुर साहित्य में कृष्ण के विविध स्वरूप

1. बालक कृष्णा
2. युवा कृष्णा
3. प्रेमी कृष्णा
4. योगेश्वर कृष्ण

अध्याय 3 सूरदास के काव्य में बालक कृष्ण के विविध स्वरूप

1.यशोदा की गोद में खेलते कृष्ण

2. माखन चुराते कृष्ण

3. असुरों का संहार करते कृष्ण

अध्याय 4 सुर के वात्सल्य वर्णन की विशेषताएं

1. बालमनोविज्ञानका अद्भूत चित्रण
2. अद्‌वितीयवात्सल्यचित्रण
3. सामाजिकव सांस्कृतिकजीवन की अभिव्यक्ति
4. भक्ति भावना
5. श्रृंगार वर्णन
6. भ्रमरगीतकाव्य परंपरा
7. प्रकृति चित्रण

अध्याय 5 निष्कर्ष

अध्याय 6 संदर्भ ग्रंथ सूचना

"गोस्वामी तुलसी दास के काव्य मे राम: एक अनुशीलन"

2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय **अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)**

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध - प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

अनुराग कुजूर

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक – 21040603

नामांकन क्रमांक- AA/19/03

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय **अम्बिकापुर,**

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **अनुराग कुजूर** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने मैंने "**गोस्वामी तुलसी दास के काव्य मे राम: एक अनुशीलन** " शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

गोस्वामी तुलसीदास के काव्य में राम : एक अनुशीलन

अनुक्रमणिका

अध्याय 1 **तुलसीदास जीवन वृत्त एवं कृतित्व एक परिचय**

तुलसीदास जीवन वृत्त

संस्कृत में पद्य-रचना

तुलसीदास का कृतित्व

अध्याय 2 **युगीन परिस्थितियां**

सामाजिक परिस्थितियां

आर्थिक परिस्थितियां

अध्याय 3 **राम काव्य की परंपरा**

संस्कृत साहित्य में राम

हिंदी साहित्य में राम

अध्याय 4 **राम भक्ति काव्य परंपरा में महाकवि तुलसी का स्थान**

तुलसीदास के राम : एक मूल्यांकन

तुलसी के राम : स्वरूप

तुलसी की भक्ति

अध्याय 5 **उपसंहार**

गोस्वामी तुलसी दास के काव्य में समन्वयवादी दृष्टिकोण का अध्ययन।

सत्र–2020–21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,
जिला–सरगुजा (छ.ग.)

एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु
चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अंतर्गत प्रस्तुत

लघुशोभ प्रबंध

शोध निर्देशक
श्री जीतन राम पैकरा
सहायक प्राध्यापक –हिन्दी

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
अवधि
एम.ए.हिन्दी चतुर्थ
सेमेस्टर
रोल नं. 2040604
नामांकन क्र. AA/19/04

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा अवधि एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.), ने 'गोस्वामी तुलसीदास के काव्य में समन्वयवादी दृष्टिकोण का अध्ययन' शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है। यह लघुशोध प्रबंध एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा –2020–21 के चतुर्थ प्रश्न– के अन्तर्गत प्रस्तुत है। यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान– अम्बिकापुर

दिनांक

शोध निर्देशक

जीतन राम पैकरा

सहायक प्रध्यापक–हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

गोस्वामीतुलसीदास के काव्य मेंसमन्वयवादीदृष्टिकोण का अध्ययन

भूमिका

अध्ययीकरण

अध्याय – एक

गोस्वामी तुलसीदास का परिचयात्मक अध्ययन

(क) व्यक्तित्वपरिचय

1. जन्म परिवेश
2. शिक्षा दीक्षा
3. साहित्य में स्थान

अध्याय –दो

तुलसीदास के काव्य में समाज के विविध क्षेत्रों में समन्वय

(क) सामाजिक क्षेत्र मेंसमन्वय

1. संत और असंत का समन्वय
2. व्यक्ति और समाज का समन्वय
3. व्यक्ति और परिवार का समन्वय
4. उच्च और निम्न वर्ग का समन्वय

(ख) राजनैतिक क्षेत्र में समन्वय

1. राजा और प्रजा का समन्वय

(ग) सांस्कृतिक क्षेत्र में समन्वय

1. परम्परा और मान्यता में समन्वय
2. प्रमुख संस्कारों में समन्वय

अध्याय –तीन

तुलसीदास के काव्य में धार्मिक एवं दार्शनिक समन्वयवादी दृष्टिकोण

(क) धार्मिक समन्वय

1. सगुण और निर्गुण का समन्वय
2. शैव और वैष्णवों का समन्वय
3. सर्वक्षेत्र का समन्वय
4. ज्ञान, कर्म और शक्ति का समन्वय
5. नर, नारायण का समन्वय

(ख) दार्शनिक विचाराधारा में समन्वय

1. द्वैत और अद्वैतवाद में समन्वय
2. द्वैत, अद्वैत और विशिष्टतावाद में समन्वय
3. ज्ञान, कर्म–भक्ति में समन्वय

अध्याय –चार

तुलसीदास के काव्य में साहित्यिक समन्वयवादी दृष्टिकोण

(क) भावपक्ष में समन्वय

1. रामकाव्य और कृष्णकाव्य में समन्वय
2. विविध रसों में समन्वय

(ख) कला, पक्ष में समन्वय

1. भाषा– शैली में समन्वय
2. छनद वधान में समन्वय
3. अलंकार विधान में समन्वय

अध्याय –पांच

1. उपसंहार

कबीर के काव्य में युगीन समस्याओं का अध्ययन

सत्र - 2020 - 21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला सरगुजा(छ.ग.)
एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर कि परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न - पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघु शोध - प्रबंध

शोध निर्देशक
श्री जीतन राम पैकरा
सहायक प्राध्यापक - हिन्दी

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्त्ता
राजकुमारी
एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र/छात्रा राजकुमारी, एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला सरगुजा(छ.ग.) ने कबीर के काव्य में युगीन समस्याओं का अध्ययन, शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघु शोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है। यह लघु शोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा - 2020 - 21 के चतुर्थ प्रश्न - पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है। यह छात्र/छात्रा का मौलिक अनुसंधात्मक कार्य है।

स्थान - अम्बिकापुर

दिनांक .....

शोध निर्देशक

श्री जीतन राम पैकरा

सहायक प्राध्यापक - हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला सरगुजा(छ.ग.)

अध्यायीकरण

कबीर के काव्य में युगीन समस्याओं का अध्ययन

अध्याय – 1

कबीरदास का परिचयात्मक अध्ययन

(क) जीवन – वृत्त

1. जन्म परिवेश
2. शिक्षा – दिक्षा
3. साहित्य में स्थान

अध्याय – 2

कबीरदास के काव्य में भावपक्ष

(क) बौध्दिकता की प्रधानता

1. भावपक्ष
2. विशेषतांए

(क) प्रेम – तत्व

(ख) समन्वयवाद

(ग) अनुभवजन्य अभिव्यक्ति

(घ) मानवतावाद

(ड) रहस्यवादी

(च) दार्शनिकता

उलटबांशि

अध्याय 3

कबीरदास जी के काव्य में समस्यांए

(क) सामाजिक समस्याएँ

(ख) धार्मिक समस्याएँ

(ग) राजनितिक समस्याएँ

अध्याय 4

कबीर के काव्य में शिल्पगत अध्ययन

(1) भाषा – शैली

(2) छन्द

(3) अलंकार

(4) शब्दशक्ति एवं शब्दगत

अध्याय 5

उपसंहार

संदर्भ

"भारतेंदु हरिश्चन्द्र के नाटकों में युगबोध का अध्ययन :'भारत दुर्दशा'के विशेष संदर्भ में "

सत्र;2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,जिला- सरगुजा (छ.ग.)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध - प्रबंध

शोध निर्देशक

श्री जीतनराम पैकरा

सहायक प्राध्यापक - हिन्दी

प्रस्तुतकर्ता

प्रियंका मिश्रा

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

अनुक्रमांक – 21040613

नामांकन क्रमांक –AA/19/16

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा **प्रियंका मिश्रा**, एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर **महाविद्यालय** अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने **"भारतेंदु हरिश्चन्द्र के नाटकों में युगबोध का अध्ययन : भारत दुर्दशा के विशेष संदर्भ में"** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध-प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है । यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक

श्री जीतनराम पैकरा

सहायक प्राध्यापक - हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर **महाविद्यालय**

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

"भारतेंदु हरिश्चन्द्र के नाटकों में युगबोध का अध्ययन : भारत दुर्दशा के विशेष संदर्भ में"

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना

अध्याय – एक

भारतेंदु हरिश्चंद्र का परिचयात्मक अध्ययन

1.1 व्यक्तिव -परिचय

1.1.1 जन्म-परिवेश

1.1.2 शिक्षा

1.1.3 साहित्य जगत में स्थान

1.2 सृजनात्मक अवदान

1.2.1 नाट्य साहित्य

1.2.2 पद्य-रचना

1.2.3 कथा-साहित्य

1.2.4 उपन्यास लेखन

1.2.5 यात्रावृत्तांत

1.2.6 पत्र-पत्रिकाएं

1.2.7. अन्य प्रमुख लेख

अध्याय – दो

हिंदी नाटक के विकासक्रम का अध्ययन

2.1 नाटक का आशय एवं स्वरुप

2.2 नाटक का तात्विक विवेचना

2.3 हिंदी नाटक का विकासक्रम

अध्याय – तीन

भारत दुर्दशा नाटक का तात्विक विवेचन

3.1 कथावस्तु

3.2 पात्र एवं चरित्र चित्रण

3.3 संवाद अथवा कथोपकथन

3.4 देशकाल अथवा वातावरण व संकलनत्रय

3.5 भाषा-शैली

3.6 उद्देश्य

3.7 अभिनेयता

अध्याय – चार

भारत दुर्दशा नाटक में युगबोध

4.1 सामाजिक एवं धार्मिक - परिवेश

4.2 सांस्कृतिक - परिवेश

4.3 राजनैतिक –परिवेश

4.4 आर्थिक - परिवेश

4.5 साहित्यिक - परिवेश

अध्याय – पांच

उपसंहार

सन्दर्भ-सूची

"हजारी प्रसाद द्विवेदी और उनके ललित निबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन"

2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध - प्रबंध

शोध निर्देशक

श्री जीतनराम पैकरा

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

सितारा मिंज

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक – 21040620

नामांकन क्रमांक –AA/19/22

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा **सितारा मिंज** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर **महाविद्यालय** अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने **"हजारी प्रसाद द्विवेदी और उनके ललित निबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन"** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है । यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक

श्री जीतनराम पैकरा

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर **महाविद्यालय**

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना

अध्याय एक: हजारी प्रसाद द्विवेदी का परिचयात्मक अध्ययन

1. व्यक्ति परिचय
2. जन्म परिवेश
3. शिक्षा एवं संस्कार
4. साहित्य में स्थान
5. साहित्यिक सेवा

1.2 प्रमुख कृतियों का परिचयात्मक अध्ययन

अध्याय दो : ललित निबंध का स्वरूपात्मक अध्ययन

1 ललित निबंध का आशय
2 ललित निबंध के आधारभूत तत्व
3 ललित निबंध नाम की सतर्कता
4 हिंदी ललित निबंध तथा अन्य प्रकार

अध्याय तीन : हजारी प्रसाद द्विवेदी के ललित निबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

1 संस्कृति संबंधित निबंध

2 धर्म और दर्शन संबंधी निबंध

3 निजी जीवन संबंधी निबंध

अध्याय चार : हजारी प्रसाद द्विवेदी का निबंधओं का शैल्पिक अध्ययन

1 भाषिक योजना

2 शब्द एवं वाक्य विन्यास

3 शैली

अध्याय पांच : उपसंहार

5.2 संदर्भ ग्रंथ सूची

"महादेवी वर्मा के काव्य में नारी समीक्षात्मक एक अध्ययन "

सत्र 2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,जिला- सरगुजा (छ.ग.)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध - प्रबंध

शोध निर्देशक

श्री जीतनराम पैकरा

सहायक प्राध्यापक - हिन्दी

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

प्रकाश तिर्की

अनुक्रमांक – 21040611

नामांकन क्रमांक –AA/19/14

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र **प्रकाश तिर्की** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने **"महादेवी वर्मा के काव्य में नारी समीक्षात्मक एक अध्ययन"** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक

श्री जीतनराम पैकरा

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा

(छ.ग.)

महादेवी वर्मा के काव्य में नारी समीक्षात्मक अध्ययन

अनुक्रमणिका

अध्याय –1 महादेवी वर्मा का परिचयात्मक अध्ययन

(क) व्यक्तित्व परिचय

1. जीवन वृत
2. शिक्षा– दीक्षा
3. साहित्य मे स्थान

(ख) कृतित्व –परिचय

1. काव्य
2. गध

अध्याय – 2 महादेवी वर्मा के काव्य में शाबासौदर्य

1. लाक्षणिक सौन्दर्य
2. प्रतीकात्क सौन्दर्य
3. वक्तोक्तिगत सौन्दर्य

अध्यान – 3 महादेवी वर्मा के काव्य में चित्रित नारी

1. अलौकिक सता और नारी
2. वेदना करूणा और नारी
3. प्रकृति चित्रण और नारी

क) आलम्बन रूप और नारी

ख) उद्दीपन रूप और नारी

अध्याय– 4 महादेवी वर्मा के काव्य का शिल्पगत अध्ययन

1. भाषा शैली
2. छनद
3. टलंकार
4. प्रतीक एवं विम्ब विधान

अध्यय–5 उपसंहार

सूरसाहित्य में जीवन के विविध पक्षों का अनुशीलन का अध्याय

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्न पत्र

शासकीय स्वशासी योजनान्तर्गत

राजीव गांधी शाससकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला–सरगुजा (छ.ग.)

की

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ प्रश्न–पत्र

लघुशोध प्रबंध

2020–2021

विभागाध्यक्ष

डॉ. आभा केसवाल

हिन्दी विभाग

राजीव गाँ. शा. स्ना. महा.

अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

शोध निर्देशक

डॉ जितन राम पैकरा

हिन्दी विभाग

प्रस्तुतकर्ता

राजकुमार

कक्षा एम. ए. हिन्दी

चतुर्थ सेमेस्टर

अनुकमांक – 21040614

स्नातकोत्तर अध्ययन शोध केंद्र नामांकन क्र.- AA/18/14

हिन्दी विभाग

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.) 497001

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **सूरसाहित्य में जीवन के विविध पक्षों का अनुशीलन का अध्ययन** शीर्षक पर लिखित लघु शोध परियोजना कार्य छात्र राजकुमार एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) द्वारा सत्र 2020 की प्रश्न पत्र चतुर्थ के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

छात्र मेरे निर्देशन मार्गदर्शन में यह शोध कार्य सम्पन्न किया है। प्रस्तुत लघु शोध छात्रा द्वारा किया गया है कार्य मौलिक है इसमें शोधकर्ता की अन्वेषण दृष्टि झलकती है मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत किये जाने की मै संतुष्टि करता हूँ।

निर्देशन

डॉ. जितन राम पैकरा

अध्यायीकरण

सूर साहित्य मे जीवन के विविध पक्षो का अनुशीलन

अध्याय– एक **महाकवि सूरदास का परिचयात्मक अनुशीलन**

(क) जीवन – वृत
1. जन्म – परिवेश
2. शिक्ष – दीक्षा

(ख) कृतित्व – परिचय

(ग) सूर साहित्य का स्थान

अध्याय – दो **सूर साहित में भक्ति – भावना और दार्शनिक्ता का अध्ययन**

(क) भक्ति – भावना का निरूपण

(ख) दार्शनिक भाव का निरूपण

अध्याय – तीन **सूर साहित्य में जीवन के विविध पक्षो का अध्ययन**

(क) वात्सल्य रूप – विधान

(ख) भावुकता और वाग्वैदगध्ता

(ग) श्रंगार – विधान

(घ) प्रकृति – चित्रण

अध्याय – चार **सूर साहित्य में शैल्पिक अध्ययन**

(क) भाषा – शैली

(ख) छनद

(ग) अलंकार

(घ) शब्द – शक्ति एवं शब्द – गुण

(ड़) मुहावरे एवं लोकाक्तियॉ

अध्याय 5 **सुर के वात्सल्य वर्णन की विशेषताएं**

1. बालमनोविज्ञान का अद्भूत चित्रण
2. अद्‌वितीय वात्सल्य चित्रण
3. सामाजिक व सांस्कृतिक जीवन की अभिव्यक्ति
4. भक्ति भावना
5. श्रृंगार वर्णन
6. भ्रमरगीत काव्य परंपरा
7. प्रकृति चित्रण

अध्याय – पांच उपसंहार

संदर्भ ग्रंथ सूचना

"छायावादी काव्य में लोकमंगल की भावना का अनुशीलन"

2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. कामिनी

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

करिश्मा बेक

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक – 21040605

नामांकन क्रमांक AA/19/06

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **करिश्मा बेक** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने मैंने "**छायावादी काव्य में लोकमंगल की भावना का अनुशीलन**" शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक

डॉ. कामिनी

सहायक प्राध्यापक हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

अध्याय – **एक**

छायावादः काव्य की पृष्ठ भूमि और परिस्थितियाँ -

1) राजनैतिक

2) सामाजिक

3) आर्थिक

4) सांस्कृतिक

अध्याय– दो

छायावादः एक परिचयात्मक अध्ययन

1) छायावाद नामकरण और परिभाषा

2) छायावाद पर बांग्ला तथा यूरोप के रोमैटिनज्य को प्रभाव

3) छायावाद काव्य परिचय

4) छायावाद के चार आधार स्तम्भ

अध्याय – तीन

लोकमंगल की अवधारणा

1) लोकमंगल की भावना एक परिचा

2) छायावाद पूर्व काव्य में लोकमंगल

अध्याय –चार

छायावादी काव्य और लोकमंगल की भावना

1) छायावादी काव्य में लोकमंगल के तत्व

2) निराला और लोकमंगल

3) प्रानाड़ और लोकमंगल

4) पंत और लोकमंगल

5) महादेवी और लोकमंगल

अध्याय –पांच

उपसंहार

"नागार्जुन के काव्य मे मानवतावादी चेतना का अध्ययन"

2020-21

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. कामिनी

सहायक प्राध्यापक- हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय

स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

शांति

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

AA/19/21

21040619

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **शांति** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). ने **"नागार्जुन के काव्य मे मानवतावादी चेतना का अध्ययन"** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा - **2020-21** के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान- अम्बिकापुर

दिनांक-.....

शोध निर्देशक
डॉ. कामिनी
सहायक प्राध्यापक हिन्दी
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

नागार्जुन के काव्य मे मानवतावादी चेतना का अध्ययन भूमिका

अध्याय एक नागार्जुन व साहित्यिक परिचय

(1) प्रारंभिक जीवन व शिक्षा
(2) व्यवसाय
(3) साहित्यिक परिचय
(क) काव्य
(ख) गद्य

अध्याय दो मानवतावादी चेतना का स्वरूप व इतिहास

(1) मानवतावादी चेतना का अर्थ
(2) हिंदी साहित्य में मानवतावादी चेतना
(क) भारतेन्दु युग
(ख) द्विवदी युग
(ग) छायावद
(घ) प्रगतिवाद

अध्याय तीन नागार्जुन के काव्य में निहित मानवतावादी चेतना

(1) कृषक जीवन का काव्य
(2) प्रकृति काव्य
(3) शोषितों का प्रसधर काव्य

अध्याय चार नागार्जुन के काव्य में निहित मानवतावादी के मूल्यांकन का आधार

(1) सामाजिक आधार
(2) सांस्कृतिक आधार
(3) धार्मिक आधार
(4) आर्थिक आधार

अध्याय पांच उपसंहार,

संदर्भ ग्रंथ **सूची**